Total Pages : 8

AC-232685

M.A. (Semester-III)
Examination, Dec.-Jan. (2025-26)
HINDI
(Chhayavadoter Hindi Kavya)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70

निर्देश – यह प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंकों का विभाजन प्रत्येक खण्ड में दिया गया है।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. (अ) किन्हीं पाँच रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – [5×1=5]

(i) मुक्तिबोध की कविता 'अंधेरे में' ..... काव्य संग्रह में संकलित है।

Scanned with OKEN Scanner

(ii) असाध्य वीणा ...... तरु से बनाई गई थी।

(iii) बापू के भी ताऊ निकले ..... बापू के।

(iv) इन वनों के खूब भीतर ..... पाल कर निश्चित बैठे गोंड़ तगड़े और काले।

(v) संशय की एक रात काव्य के रचयिता का नाम .... है।

(vi) प्रथम तार सप्तक का प्रकाशन वर्ष ......है।

(अति लघूत्तरी प्रश्न)

(ब) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए - [5×1=5]

(vii) मुक्तिबोध का पूरा नाम लिखिए।

(viii) 'अंधेरे में' शीर्षक कविता का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(ix) असाध्य वीणा को किसने बजाया?

(x) कवि नागार्जुन किस काव्यधारा के कवि हैं?

(xi) 'संशय की एक रात' काव्य कितने सर्ग में विभक्त है?

(xii) प्रयोगवाद का जनक किसे माना गया है?

खण्ड-ब

(लघूत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए - [5×2=10]

2. (i) अज्ञेय की काव्य-भाषा क्या है?

(ii) 'असाध्य वीणा' कविता की मूल संवेदना क्या है?

(iii) 'शासन की बंदूक' कविता के मूल भाव को रेखांकित कीजिए।

(iv) भवानी प्रसाद मिश्र का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(v) नागार्जुन के काव्य की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(vi) 'संशय की एक रात' काव्य का मूल भाव क्या है, स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'सतपुड़ा के घने जंगल' कविता की किन्हीं पाँच पंक्तियों का उल्लेख कीजिए।

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड-स

(लघूत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। [5×4=20]

3. (i) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(अ) लोकहित-पिता को घर से निकाल दिया
जन-मन करुणा-सी माँ को हकाल दिया
स्वार्थों के टेरियर कुत्तों को पाल लिया
भावना के कर्त्तव्य......त्याग दिये
हृदय के मन्तव्य....मार डाले
बुद्धि का भाल ही फोड़ दिया
तर्कों के हाथ उखाड़ दिये
जम गये, जाम हुए, फँस गये
अपने ही कीचड़ में धँस गये
विवेक बघार डाला स्वार्थों के तेल में
आदर्श खा गये।

(ब) राजा जागे
समाधिस्थ संगीतकार का हाथ उठा था
काँपी थी उँगलियाँ
अलस अँगड़ाई लेकर मानो
जाग उठी थी वीणा
किलक उठे थे स्वर-शिशु
नीरव पद रखता जालिक मायावी
सधे करों से धीरे-धीरे-धीरे
डाल रहा था जाल हेम तारों का
सहसा वीणा झनझना उठी
संगीतकार की आँखों में
ठंडी पिघली ज्वाला-सी झलक गयी
रोमांच एक बिजली सा
सबके तन में दौड़ गयी।

(स) खड़ी हो गई चाँप कर कंकालों की हूक
नभ में विपुल विराट सी शासन की बंदूक
उस हिटलरी गुमान पर सभी रहे हैं थूक
जिसमें कानी हो गई शासन की बंदूक

बढ़ी बधिरता दस गुनी, बने विनोबा मूक

धन्य-धन्य वह, धन्य वह शासन की बंदूक।

(ii) बिम्ब, फैण्टेसी और काव्य-भाषा के आधार पर 'अंधेरे में' कविता का विश्लेषण कीजिए।

(iii) 'असाध्य वीणा' कविता के आलोक में अज्ञेय के आत्मचिंतन की विवेचना कीजिए।

(iv) 'सतपुड़ा के घने जंगल' कविता का भाव-सौन्दर्य लिखिए।

(v) प्रगतिवादी काव्य की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(vi) अज्ञेय और प्रयोगवाद विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड-द

(दीर्घोत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए -

[3×10=30]

4. (i) अज्ञेय की भाषा और शिल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(ii) कवि नागार्जुन के काव्य के विविध आयाम पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'संशय की एक रात' काव्य में अभिव्यक्त आधुनिक भावबोध का विश्लेषण कीजिए।

(iv) मुक्तिबोध के काव्य में सामाजिक यथार्थ और मानव मूल्य की विवेचना कीजिए।

----x----

Scanned with OKEN Scanner